

[This question paper contains 16 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 537

G

Your Roll No.....

Unique Paper Code : 241102 / 241103

Name of the Paper : 241102 – Financial Accounting (Part A)
241103 – Financial Accounting (Part B)

Name of the Course : **B.Com. (H)**

Semester : I

Duration : 3 hours (Part A : 2 hours and 30 minutes, Part B : 30 minutes)

Maximum Marks : 75 Marks (Part A : 55 marks, Part B : 20 marks)

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. This question paper has 2 parts. **Part A** is compulsory for all examinees. **Part B** is meant only for those who have not offered Computerized Accounts.
3. **Part A** and **Part B** are to be answered on separate Answer Books.
4. Attempt 'ALL' questions. Show your working notes clearly.
5. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र के दो भाग हैं। भाग A सब के लिए अनिवार्य है तथा भाग B उन परीक्षार्थियों के लिए हैं जिन्होंने कम्प्यूटरीकृत लेखांकन का विकल्प नहीं लिया है।
3. भाग A तथा भाग B को पृथक उत्तर पुस्तिकाओं में करें।
4. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। अपनी गणनाएँ स्पष्ट रूप से दर्शाएं।
5. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

P.T.O.

PART– A

1. (a) Gaurav purchased a machine on 1st April, 2013 for Rs. 50,000. Depreciation @ 20% was charged on machine for two years. From 1st April, 2015, the rate of depreciation was reduced to 10%. No mention of this change was made in the financial statements or notes thereto. Explain the accounting principle which has been violated.
 - (b) Recognising that the values of land have been increasing in the recent years, Vikrant, owner of Ekta Ltd. increased the balance sheet amount of land from Rs. 50,00,000 to Rs. 70,00,000. Explain the accounting principle which has been violated. (7)
- (क) 1 अप्रैल, 2013 को गौरव ने ₹50,000 की एक मशीन खरीदी। दो वर्ष तक मशीन पर 20% मूल्य-हास लगाया गया। 1 अप्रैल, 2015 से मूल्य-हास की दर को घटा कर 10% कर दिया गया। इस परिवर्तन को वित्तीय विवरणों में अथवा टिप्पणियों में नहीं बताया गया। इसमें कौन से लेखांकन सिद्धान्त का उल्लंघन हुआ है, बताइये।
- (ख) यह जानते हुए कि विगत वर्षों में भूमि के मूल्यों में वृद्धि हुई है, एकता लिमिटेड के मालिक विक्रान्त ने जमीन की कीमत अपने तुलन पत्र में ₹50,00,000 से बढ़ा कर ₹70,00,000 कर दी। बताइये कौन से सिद्धान्त का उल्लंघन हुआ है, समझाइये।
2. From the following trial balance of Ajit, you are required to prepare Trading and Profit and Loss Account for the year ended 31st December 2014 and a Balance Sheet on that :

Particulars	Dr.(Rs.)	Cr.(Rs.)
Capital	-	50,000
Drawings	6,000	-
Sundry Creditors	-	20,000
10% Loan (taken on 1-7-2014)	-	10,000
Cash in Hand	2,500	-
Cash in Bank	5,800	-
Sundry Debtors	25,500	-
Provision for Doubtful Debts	-	2,000
Furniture	6,000	-
Machinery	14,200	-
Stock(1-1-2014)	40,000	-
Purchases	90,000	-
Rent and Taxes	3,400	-
Salaries	9,000	-
Manufacturing Wages	12,500	-
Sales	-	1,40,400
Sundry Expenses	1,000	-
Insurance(including a premium of Rs.300 per annum paid upto 30-6-2015)	400	-
Commission	-	700
Carriage Inward	2,000	-
Travelling expenses	800	-
Bills Receivable	4,000	-
	2,23,100	2,23,100

Adjustments :

- (i) Stock on 31-12-2014 was Rs. 38000.
- (ii) Write off Rs. 500 bad debts and maintain the provision for doubtful debts at 5% on debtors.
- (iii) Manufacturing wages include Rs. 800 for erection of new machinery on 1 January, 2014.
- (iv) Depreciate machinery by 5% and furniture by 10%. (12)

OR

P.T.O.

From the following particulars relating to Noya Charitable Hospital prepare Income and Expenditure Account for the Year ended 31st December 2014 and Balance Sheet as at that date :

**Receipts and Payments Account
For the Year ending 31st Dec., 2014**

Receipts	Rs.	Payments	Rs.
To Balance b/d	7130	By Doctor's Honorarium	9000
To Subscriptions	47996	By Suppliers of medicines	30590
To Donations	4500	By Petty Expenses	461
To Legacies	10000	By Salaries	27500
To Interest on Investments		By Equipment Purchased	15000
@10% for full year	7000	By Expense on Charity Show	2750
To Proceeds from charity Show	10450	By Balance c/d	1775
	87076		87076

Additional Information :

	1-1-2014	31-12-2014
	Rs.	Rs.
(i) Subscription Due	650	800
(ii) Subscription received in advance	254	300
(iii) Stock of Medicines	8910	9800
(iv) Suppliers of Medicines	4000	2500
(v) Outstanding Salaries	3600	4800
(vi) Equipments	21200	31600
(vii) Building cost less depreciation	90000	81000

31 दिसम्बर, 2014 को समाप्त वर्ष के लिए अजीत द्वारा दिए गए परीक्षण तालिका से व्यापार तथा लाभ हानि खाता तैयार कीजिए तथा उस तिथि का तुलन पत्र भी बनाइये।

ब्यौरा	नामे (₹)	जमा (₹)
पूँजी	-	50,000
आहरण	6,000	
विभिन्न लेनदार	-	20,000
10% ऋण (1-7-2014 को लिया)	-	10,000
दस्ती रोकड़	2,500	-
बैंक रोकड़	5,800	-
विभिन्न देनदार	25,500	-
संदिग्ध देनदारों के लिए प्रावधान	-	2,000
फर्नीचर	6,000	-
मशीनरी	14,200	-
स्टॉक (1-1-2014)	40,000	-
क्रय	90,000	-
किराया तथा टैक्स	3,400	-
वेतन	9,000	-
उत्पादन मजदूरी	12,500	-
विक्रय	-	1,40,000
विभिन्न व्यय	1,000	-
बीमा (जिसमें 30.6.2015 तक दत्त ₹300 वार्षिक प्रीमियम शामिल है)	400	-
कमीशन	-	700
आवक पर भाड़ा	2,000	-
यातायात व्यय	800	-
प्राप्य विनिमय बिल	4,000	-
	2,23,100	2,23,100

समायोजन :

- (i) 31-12-2014 को स्टॉक ₹38,000 था ।
- (ii) डूबत देनदार ₹500 हुए तथा संदिग्ध देनदारों के लिए 5% का प्रावधान कीजिए ।
- (iii) उत्पादन मजदूरी में, नई मशीन को लगाने के लिए खर्च किए गए ₹800 भी शामिल हैं । नई मशीन 1 जनवरी, 2014 को लगाई गई ।
- (iv) मशीनरी पर 5% तथा फर्नीचर पर 10% की दर से मूल्य-हास लगाइये ।

अथवा

नीचे नोया धर्मार्थ अस्पताल से सम्बंधित ब्यौरे दिए गए हैं। 31 दिसम्बर, 2014 को समाप्य वर्ष के लिए आय तथा व्यय खाता और उसी दिन तुलन-पत्र भी तैयार कीजिए।

31 दिसंबर, 2014 को समाप्य वर्ष के लिए प्राप्ति तथा भुगतान खाता

प्राप्तियां	₹	भुगतान	₹
आगे लाया गया शेष	7,130	डाक्टर का मानदेय	9,000
अंशदान	47,996	दवाइयों की आपूर्ति	30,590
दान	4,500	फुटकर व्यय	461
विरासत में प्राप्त	10,000	वेतन	27,500
निवेश पर 10% की दर		औजारों की खरीद	15,000
से पूरे वर्ष का ब्याज	7,000	चैरिटी शो पर स्वर्च	2,750
चैरिटी शो से प्राप्त	10,450	शेष, आगे ले जाया गया	1,775
	87,076		87,076

अतिरिक्त जानकारी :

	<u>1-1-2014</u>	<u>31-12-2014</u>
	₹	₹
(i) प्राप्य अंशदान	650	800
(ii) अग्रिम प्राप्त अंशदान	254	300
(iii) दवाइयों का स्टॉक	8,910	9,800
(iv) दवाइयों की आपूर्ति	4,000	2,500
(v) देय वेतन	3,600	4,800
(vi) औजार	21,200	31,600
(vii) मूल्य-हास के बाद भवन लागत	90,000	81,000

3. Garima Co. carried on a business without maintaining a proper set of books of account. An analysis of its cash book revealed the following figures for the year ended 31st March, 2015.

Analysis of cash book:

Particulars	Rs.	Particulars	Rs.
Paid for credit purchases	1,34,000	Other payments are:	
Received for credit sales	1,55,500	Salaries	20,000
Received for cash sales	21,050	Rent paid up to Feb.2015	
Further capital introduced	10,000	for 12 months	6,000
Purchase of furniture (on 1 st Jan 2015)	2,000	Sundry Expenses	2,500
Purchase of investment		Electric charges	3,000
(on 1 st Jan 2015)	10,000	Drawings	8,000
		Motor Upkeep	2,375

The Following further information is given to you :

Particulars	31-3-2014	31-3-2015
Cash in hand and at bank	2,905	?
Stock in Trade	22,500	31,255
Sundry Debtors	15,800	17,900
Sundry Creditors	10,550	13,755
Furniture (depreciation @ 5%)	10,000	?
Motor Car (depreciation @ 15%)	15,000	?

Bad debts during the year amounted to Rs. 400. Discount allowed was Rs. 250 and discount received was Rs. 125. Provision should be created on sundry debtors at 5% on 31st March, 2015. Salaries were outstanding to the extent of Rs. 2,550, while advance of salary amounts to Rs. 1,500. The rate of interest on investment is 6%.

Prepare Trading and Profit and Loss Account of Garima Co. for the year ended 31st March, 2015 and the Balance Sheet as on the date. (12)

OR

Nyonika & Co. has a hire purchase department. Goods are sold on hire purchase at cost plus $33\frac{1}{3}\%$. From the following particulars prepare Shop Stock A/c, H.P. Debtors A/c, H.P. Stock A/c and H.P. Adjustment A/c :

P.T.O.

1-4-2014	Rs.
Stock out with H.P. customers at S.P.	4,000
Stock at Shop at cost	500
Instalments due	300
1-4-2014 to 31-3-2015	
Cash received from customers	8,000
Goods repossessed (instalments due Rs.2,000) valued at (this has been included at the end at Rs. 500)	500
31-3-2015	
Instalments due (customers paying)	500
Stock at shop at cost (including goods repossessed)	1,200
Stock out with H.P. customers at S.P.	4,600
Verify your results by preparing Hire Purchase Trading A/c.	(12)

गरिमा कम्पनी, लेखों की समुचित पुस्तकें बनाए बिना ही व्यवसाय कर रही थी। उसकी रोकड़ बही का विश्लेषण करने पर, 31 मार्च, 2015 को समाप्य वर्ष के लिए, निम्न जानकारी प्राप्त हुई :

विवरण	₹	विवरण	₹
उधार खरीद के लिए भुगतान	1,34,000	अन्य भुगतान :	
उधार बिक्री की प्राप्ति	1,55,500	वेतन	20,000
नगद बिक्री की प्राप्ति	21,050	किराया (फरवरी, 2015	
अतिरिक्त पूंजी निवेश	10,000	तक 12 माह का भुगतान)	6,000
फर्नीचर खरीद (1-1-2015)	2,000	विभिन्न व्यय	2,500
निवेश खरीद (1-1-2015)	10,000	बिजली खर्च	3,000
		आहरण	8,000
		मोटर का रख-रखाव	2,375

निम्नलिखित अतिरिक्त जानकारी भी उपलब्ध है -

विवरण	31-3-2014	31-3-2015
	₹	₹
बैंक में तथा दस्ती रोकड़	2,905	?
व्यापार में स्टॉक	22,500	31,255
विभिन्न देनदार	15,800	17,900
विभिन्न लेनदार	10,550	13,755
फर्नीचर (मूल्य हास @ 5%)	10,000	?
मोटर कार (मूल्य हास @ 15%)	15,000	?

वर्ष के दौरान डूबत देनदार ₹400 हो गए। ₹250 छूट दी तथा ₹125 छूट प्राप्त हुई। विभिन्न देनदारों पर, 31 मार्च, 2015 को 5% का प्रावधान बनाया जाना चाहिए। ₹2550 वेतन की मद में देय था तथा ₹1500 का वेतन अग्रिम भुगतान किया। निवेश पर ब्याज दर 6% हैं।

31 मार्च, 2015 को समाप्य वर्ष के लिए व्यापार तथा लाभ-हानि खाता तैयार कीजिए और उसी दिन गरिमा कम्पनी का तुलनपत्र भी बनाइये।

अथवा

न्योनिका एण्ड कम्पनी का एक किराया-क्रय विभाग है। माल, किराया-क्रय पद्धति से, लागत जमा 33 1/3% मूल्य पर बेचा जाता है। अधोलिखित ब्यौरे से शॉप स्टॉक खाता, किराया-क्रय देनदार खाता, किराया-क्रय स्टॉक खाता तथा किराया-क्रय समायोजन खाता तैयार कीजिए।

01-04-2014	₹
किराया-क्रय ग्राहकों के पास विक्रय मूल्य पर स्टॉक	4,000
शॉप पर लागत मूल्य पर स्टॉक	500
देय किश्तें	300
01-04-2014 से 31-03-2015	
ग्राहकों से नगद प्राप्त	8,000
जब्त किए गए (देय किश्त ₹2,000) माल का मूल्य	500
(इसे अन्त में ₹500 पर ही शामिल किया गया)	

P.T.O.

31-03-2015

देय किश्त (ग्राहक दे रहे हैं)	500
शॉप पर लागत मूल्य पर स्टॉक (जब्त किए माल सहित)	1,200
किराया-क्रय ग्राहकों के पास विक्रय मूल्य पर स्टॉक	4,600
किराया-क्रय व्यापार खाता बना कर अपने परिणामों का सत्यापन कीजिए।	

4. (a) Explain the normal loss and abnormal loss with reference to Branch Accounting. (4)
- (b) Vaani Co., Delhi, has a branch at Kolkata. It invoices goods to the branch at selling Price which is cost plus 33-1/3%. From the following particulars, prepare Branch Account at invoice price. Show also Branch Debtors Account and Goods Sent to Branch Account in the books of Vaani Co. Delhi :

Stock on 1st April, 2014 (invoice price)	15,000
Debtors on 1 st April, 2014	11,400
Goods invoiced to branch during the year at invoice price	67,000
Sale at branch :	
Cash	31,000
Credit	<u>37,400</u>
	68,400
Cash received from debtors	40,000
Discount allowed to customers	300
Bad debts written off	250
Cheque sent to branch :	
Salaries	5,000
Sundry expenses	1,700
Stock on 31st March, 2015 (invoice price)	13,400
	(8)

OR

Nitin & Sons have a branch at Agra to which goods are sent at 25% above cost. The branch makes both cash and credit sales. Branch expenses are met from branch cash and the balance money remitted to the head office. All the necessary accounts are maintained by Head Office under stock and debtors system. From the particulars given below, you are required to calculate the profit or loss made by the branch for the year ending 31st March, 2015 :

	Rs.
Opening stock at invoice price	25000
Cost price of goods sent to branch	50000
Goods received by branch till 31 st March, 2015 at invoice price	60000
Credit sales for the year	64000
Branch debtors as on 1st April, 2014	12500
Branch debtors as on 31 st March, 2015	15000
Bad debts and discounts written off	500
Cash remitted to head office	60000
Branch cash balance as on 1.4.2014	3000
Branch cash balance as on 31.3.2015	2000
Cash remitted by H.O. to branch	3000
Branch stock at close - invoice price	20000
Branch expenses paid by branch	12000
	(12)

(क) शाखा लेखांकन के सन्दर्भ में सामान्य क्षति तथा असामान्य क्षति की व्याख्या कीजिए ।

(ख) वाणी कम्पनी की एक शाखा कोलकाता में है जिसे, लागत मूल्य में 33 1/3% जोड़ कर बीजक मूल्य पर माल प्रेषित किया जाता है । अधोलिखित ब्यौरे से बीजक मूल्य पर शाखा खाता तैयार कीजिए । इसके साथ-साथ शाखा देनदार खाता तथा शाखा को प्रेषित माल खाता भी वाणी कम्पनी की पुस्तकों में दर्शाइये ।

	₹
01 अप्रैल, 2014 को स्टॉक (बीजक मूल्य)	15,000
01 अप्रैल, 2014 को देनदार	11,400
वर्ष के दौरान शाखा को बीजक मूल्य पर प्रेषित माल	67,000
शाखा में माल का विक्रय :	₹
नगद	31,000
उधार	<u>37,400</u>
देनदारों से नगद प्राप्त	68,400
ग्राहकों को दी गई छूट	40,000
बट्टे खाते लिखे देनदार	300
शाखा को चैक भेजा गया :	250
वेतन के लिए	5,000
विभिन्न खर्चों के लिए	1,700
31 मार्च, 2015 को बीजक मूल्य पर स्टॉक	13,400

अथवा

नितिन एण्ड सन्स की आगरा में एक शाखा है जिसे लागत से 25%, अधिम मूल्य पर माल भेजा जाता है। शाखा नगद तथा उधार, दोनों तरीके से माल बेचती है। शाखा व्ययों का भुगतान शाखा पर उपलब्ध रोकड़ से किया जाता है तथा बाकी राशि प्रधान कार्यालय को भेज दी जाती है। सभी आवश्यक खाते प्रधान कार्यालय द्वारा स्टॉक एण्ड डेटर्स पद्धति द्वारा तैयार करवाए जाते हैं। आगे दिए गए ब्यौरे से, 31 मार्च, 2015 को समाप्य वर्ष के दौरान अर्जित लाभ अथवा हानि की गणना कीजिए :

	₹
बीजक मूल्य पर आरम्भिक स्टॉक	25,000
शाखा को भेजे गए माल का लागत मूल्य	50,000
31 मार्च, 2015 तक शाखा द्वारा बीजक मूल्य पर माल प्राप्त किया गया	60,000
वर्ष के दौरान उधार बिका माल	64,000
1 अप्रैल, 2014 को शाखा देनदार	12,500
31 मार्च, 2015 को शाखा देनदार	15,000
बट्टे खाते लिखे तथा छूट दी गई	500
प्रधान कार्यालय को रोकड़ राशि भेजी गई	60,000
शाखा में रोकड़ का शेष (1-4-2014)	3,000
शाखा में रोकड़ का शेष (31-3-2015)	2,000
प्रधान कार्यालय द्वारा शाखा को प्रेषित रोकड़	3,000
शाखा में अन्तिम स्टॉक (बीजक मूल्य)	20,000
शाखा द्वारा भुगतान किए गए शाखा के खर्च	12,000

5. Saksham Ltd., which depreciates its machinery @ 10% on Diminishing Balance Method, had on 1st April 2014 Rs. 9,72,000 to the debit of Machinery Account. During the year 2014-15, the machinery purchased on 1st April, 2012 for Rs. 80,000 was sold for Rs. 45,000 on 1st October, 2014 and a new machinery at a cost of Rs. 1,50,000 was purchased and installed on the same date, installation charges being Rs. 8000. The company wants to change its method of depreciation from Diminishing Balance Method to Straight line method with effect from 1st April, 2012 and adjust the difference in the accounts for the year 2014-15. The rate of depreciation remains the same as before.

Show the Machinery Account for the year ended 31st March, 2015. (12)

OR

- (a) Briefly explain the following :

(i) Deferred Revenue Expenditure

(ii) IFRS (4)

- (b) State the importance of Inventory Valuation. Distinguish between periodical and perpetual systems of inventory valuation. (8)

सक्षम लिमिटेड अपनी मशीनरी पर 10% की दर से क्रमशः घटते शेष पर मूल्य-हास लगाती है। 01 अप्रैल, 2014 को मशीनरी खाते के नाम ₹9,72,000 थे। वर्ष 2014-15 के दौरान, 01 अप्रैल, 2012 को ₹80,000 में खरीदी गई मशीन को दिनांक 1 अक्टूबर, 2014 को ₹45,000 में बेच दिया गया तथा उसी दिन एक नई मशीन ₹1,50,000 की लागत पर खरीदी गई और ₹8,000 खर्च पर स्थापित भी करवा ली गई। कम्पनी घटते शेष पर मूल्य-हास की अपेक्षा, 01 अप्रैल, 2012 से प्रभावी, समान मूल्य-हास पद्धति (SLM) अपनाना चाहती है तथा किसी भी प्रकार के अन्तर को वर्ष 2014-15 के खातों में समायोजित करना चाहती है। मूल्य-हास की दर पहले वाली दर के समान ही रहेगी।

31 मार्च, 2015 को समाप्य वर्ष के लिए मशीनरी खाता दर्शाइये।

अथवा

- (क) निम्न को संक्षेप में समझाइये :

(i) आस्थगित राजस्व व्यय

(ii) अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग मानक (IFRS)

- (ख) इनवेंटरी मूल्यांकन का महत्व बताइये। सामयिक तथा सतत मूल्यांकन पद्धतियों में अन्तर्भेद कीजिए।

PART – B

1. (a) Critically examine the Rule of Gamer vs Murray. (5)

(b) A, B and C had the following Balance Sheet as on 31st March, 2015 :

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
Creditors	40,000	Fixed Assets	40,000
Loan from Mrs. A		Debtors	24,000
(with a charge on Stock)	15,000	Stock	20,000
Loan from A	10,000	Cash at Bank	1,000
Capital Accounts		Loss	30,000
A 20,000			
B 20,000			
C 10,000	50,000		
	1,15,000		1,15,000

The firm was dissolved. Stock realised Rs. 10,000 and fixed assets and debtors realised Rs. 30,000 in all.

The private position of the partners was as under :

	Private	Private
	Estate	Liabilities
A	10,000	15,000
B	8,000	6,000

C was able to pay 50 paise in the rupee of what was payable on his own account to the partnership. The partners shared profits and losses in the ratio of 4 : 3 : 3 for A, B and C respectively.

The loss on realisation is to be determined after considering the amount finally paid to the creditors.

You are required to close the books of the firm by preparing the necessary ledger accounts. (15)

OR

(a) Write a short note on Piecemeal Distribution of Cash. (5)

- (b) A, B and C were partners sharing profits and losses in the ratio of 3 : 2 : 1. On 31st December, 2014 their Balance Sheet was as follows :

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
Sundry Creditors	30,000	Plant	21,000
A's Loan	6,000	Debtors	32,000
Bills Payable	5,000	Stock	15,500
Reserve Fund	12,000	Cash at Bank	9,500
Profit and Loss Account	6,000	Furniture	5,000
Capital Accounts		A's Drawings	4,000
A	20,000	B's Drawings	1,000
B	15,000	C's Capital Account	6,000
	35,000		
	94,000		94,000

The firm was dissolved on that date. Assets realised as follows :

Stock Rs. 12,200; Debtors Rs. 30,100 and Furniture realised Rs. 4,200. Plant was taken over by A at Rs. 18,000. A contingent liability for bill discounted is settled at Rs. 600. Realisation Expenses amounted to Rs. 600. C is insolvent and only Rs. 1900 could be recovered from his private estate.

Prepare necessary ledger Accounts to close the books of the firm. Apply Garner vs Murray Rule. (15)

(क) गार्नर बनाम मरे में प्रतिपादित नियम की समीक्षा कीजिए ।

(ख) 31 मार्च, 2015 को A, B तथा C का तुलन-पत्र इस प्रकार था -

देयताएं	₹	सम्पत्तियां	₹
लेनदार	40,000	स्थायी सम्पत्तियां	40,000
श्रीमती A से ऋण		देनदार	24,000
(स्टॉक पर प्रभार सहित)	15,000	स्टॉक	20,000
A से ऋण	10,000	बैंक रोकड़	1,000
पूँजी खाते :		हानि	30,000
A	20,000		
B	20,000		
C	10,000		
	50,000		
	1,15,000		1,15,000

फ़र्म को भंग कर दिया गया। स्टॉक से ₹10,000 वसूल हुए तथा स्थाई सम्पत्तियों और देनदारों से कुल ₹30,000 वसूल हो पाए। साझेदारों की व्यक्तिगत स्थिति इस प्रकार थी -

	निजी सम्पत्ति	निजी देयताएं
A	₹10,000	₹15,000
B	₹8,000	₹6,000

C, साझेदारी में अपनी देयताओं का भुगतान रुपए में 50 पैसे ही कर पाया। A, B व C तीनों साझेदार क्रमशः 4:3:3 के अनुपात लाभ हानि वहन करते थे।

लेनदारों का अन्तिम निपटान करने के बाद ही वसूली पर हुए नुकसान का निर्धारण कीजिए। आवश्यक लैजर खाते बना कर फ़र्म की पुस्तकों को बन्द कर दीजिए।

अथवा

(क) रोकड़ के टुकड़े-टुकड़े वितरण पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

(ख) A, B और C, क्रमशः 3:2:1 के अनुपात में लाभ-हानि वहन करने वाले साझेदार हैं। 31 दिसम्बर, 2014 को उनका तुलन-पत्र इस प्रकार था -

देयताएं	₹	सम्पत्तियां	₹
विभिन्न लेनदार	30,000	प्लान्ट	21,000
A का ऋण	6,000	लेनदार	32,000
देय विनिमय बिल	5,000	स्टॉक	15,500
रिज़र्व फंड	12,000	बैंक में रोकड़	9,500
लाभ और हानि खाता	6,000	फर्नीचर	5,000
पूँजी खाते :		A द्वारा आहरण	4,000
A	20,000	B द्वारा आहरण	1,000
B	15,000	C का पूँजी खाता	6,000
	35,000		
	94,000		94,000

फ़र्म को भंग कर दिया गया तथा सम्पत्तियों से वसूली इस प्रकार हुई -

स्टॉक ₹12,200; देनदार ₹30,100 तथा फर्नीचर ₹4,200। A ने प्लान्ट को ₹18,000 में ले लिया। एक विनिमय बिल भुनाने से सम्बन्धित आकस्मिक देयता ₹600 में निपटाई। वसूली के खर्चे ₹600 आए। C दीवालिया हो गया तथा उसकी व्यक्तिगत सम्पत्तियों से मात्र ₹1900 प्राप्त किए जा सके।

फ़र्म की पुस्तकों बन्द करने के लिए आवश्यक लैजर खाते बनाइये। गार्नर बनाम मरे केस में निर्धारित नियम को लागू कीजिए।